

विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग- दशम्

विषय- हिंदी

पुनरावृत्ति

वाच्य किसे कहते हैं, भेद, उदाहरण -

[Hindi Grammar](#)

Table of Contents

- वाच्य किसे कहते हैं - Vachya Ki Paribhasha :
 - वाच्य के भेद - Vachya ke Bhed :
 - 1. कर्तृवाच्य :-
 - जिस वाक्य में कर्ता मुख्य हो और क्रिया कर्ता के लिंग, वचन एवं पुरुष के अनुसार हो, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं।
 - 2. कर्मवाच्य :-
 - जिस वाक्य में कर्म मुख्य हो तथा इसकी सकर्मक क्रिया के लिंग, वचन व पुरुष कर्म के अनुसार हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं।
 - जैसे -
 - a) लड़कियों द्वारा बाजार जाया जा रहा है।
 - b) मेरे द्वारा रामायण पढ़ी जा रही है।
 - c) वर्षा से पुस्तक पढ़ी गई।
 - 3. भाववाच्य :-
 - जिस वाक्य में अकर्मक क्रिया का भाव मुख्य हो, उसे भाववाच्य कहते हैं।
 - जैसे -
 - a) हमसे वहाँ नहीं ठहरा जाता।

वाच्य किसे कहते हैं - :

क्रिया के जिस रूप से यह जाना जाए कि वाक्य में क्रिया का मुख्य सम्बन्ध कर्ता, कर्म या भाव से है, वह वाच्य कहलाता है |

वाच्य के भेद - :

1. कर्तृवाच्य
2. कर्मवाच्य
3. भाववाच्य

यह भी पढ़ें: [अलंकार की परिभाषा, प्रकार, उदाहरण](#)

1. कर्तृवाच्य :-

जिस वाक्य में कर्ता मुख्य हो और क्रिया कर्ता के लिंग, वचन एवं पुरुष के अनुसार हो, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं।

जैसे -

- a) लड़किया बाजार जा रही हैं।
- b) मैं रामायण पढ़ रही हैं।
- c) कुमकुम खाना खाकर सो गई।

इन वाक्यों में जा रही है, पढ़ रहा हूँ, सो गई ये सभी क्रियाएं कर्ता के अनुसार आई हैं।

यह भी पढ़ें: [विशेषण किसे कहते हैं, विशेषण के भेद, उदाहरण](#)

2. कर्मवाच्य :-

जिस वाक्य में कर्म मुख्य हो तथा इसकी सकर्मक क्रिया के लिंग, वचन व पुरुष कर्म के अनुसार हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं।

जैसे -

- a) लड़कियों द्वारा बाजार जाया जा रहा है।
- b) मेरे द्वारा रामायण पढ़ी जा रही है।
- c) वर्षा से पुस्तक पढ़ी गई।

इन वाक्यों में पढ़ी जा रही है, पढ़ी गई क्रियाएं कर्म के लिंग, वचन, पुरुष के अनुसार आई हैं।

यह भी पढ़ें: [अविकारी शब्द \(अव्यय\) किसे कहते हैं, प्रकार, उदाहरण](#)

3. भाववाच्य :-

जिस वाक्य में अकर्मक क्रिया का भाव मुख्य हो, उसे भाववाच्य कहते हैं |

जैसे -

a) हमसे वहाँ नहीं ठहरा जाता।

b) उससे आगे क्यों नहीं पढ़ा जाता।

c) मुझसे शोर में नहीं सोया जाता।

इन वाक्यों में ठहरा जाता, पढ़ा जाता और सोया जाता क्रियाएं भाववाच्य की हैं।

कर्तृवाच्य:

1. लड़किया बाजार जा रही है।
2. मैं रामायण पढ़ रहा हूँ।
3. ममता ने रामायण पढ़ी।
4. लता गाना गाएगी।
5. धर्मवीर वेद पढ़ेगा।
6. तुम फूल तोड़ोगे।
7. नौकर चाय लाएगा।

कर्मवाच्य:

1. लड़कियों द्वारा बाजार जाया जा रहा है।
2. मेरे द्वारा रामायण पढ़ी जा रही है।
3. ममता से रामायण पढ़ी गई।
4. लता से गाना गाया जाएगा।
5. धर्मवीर से वेद पढ़ा जाएगा।
6. तुमसे फूल तोड़े जाएंगे।
7. नौकर द्वारा चाय लाई जाएगी।

कर्तृवाच्य:

1. राम तेज दौड़ता है।
2. मैं सर्दियों में नहीं नहाता।
3. आशा नहीं हँसती।
4. बच्चा खूब सोया।
5. रमा नहीं पढ़ती।
6. मैं हँसता हूँ।
7. मोर ऊँचा नहीं उड़ता।

यह भी पढ़ें: [वाक्य की परिभाषा, भेद, उदाहरण](#)

भाववाच्य:

1. राम से तेज दौड़ा जाता है।
2. मुझसे सर्दियों में नहीं नहाया जाता।
3. आशा से नहीं हँसा जाता।
4. बच्चे से खूब सोया गया।
5. रमा से पढ़ा नहीं जाता।
6. मुझसे हँसा जाता है।
7. मोर से ऊँचा नहीं उड़ा जाता ।